

मिलती-जुलती सभी परिस्थितियों में प्रायः एक जैसी अनुक्रियाएँ करना।

**सामायिक पुं.** (तत्.) जीवन-मरण, संयोग-वियोग, प्रिय-अप्रिय, शत्रु-मित्र, सुख-दुख आदि में समभाव  
2. सभी प्राणियों के प्रति समभाव रखना।

**सामासिक वि.** (तत्.) 1. सामूहिक 2. संक्षिप्त 3. समास-संबंधी, समास का 4. मिश्रित।

**सामिक पुं.** (तत्.) 1. बलि पशु को अभिमंत्रित करना 2. वृक्ष।

**सामित्य पुं.** (तत्.) समिति का भाव, समिति संबंधी।

**सामिधेन वि.** (तत्.) 1. यज्ञ की अग्नि से संबंधित 2. समिधा से संबंधित।

**सामिधेनी स्त्री.** (तत्.) ऋग्वेद के एक प्रकार के मंत्र जिनका पाठ यज्ञ की अग्नि जलाते समय या समिधाएँ छोड़ते समय करते हैं।

**सामिष वि.** (तत्.) मांसयुक्त।

**सामी पुं.** (तत्.) स्वामी स्त्री. छड़ी या औजार आदि की रक्षा के लिए उस पर पहनाया जाने वाला लोहे या पीतल आदि का छल्ला।

**सामीची स्त्री.** (तत्.) वंदना, स्तुति, नम्रता, शिष्टता।

**सामीचीन्य पुं.** (तत्.) औचित्य, उपयुक्तता।

**सामीपता स्त्री.** (तत्.) समीपता, निकटता, सामीप्य।

**सामीप्य पुं.** (तत्.) 1. समीपता, निकटता 2. मुक्ति का एक भेद।

**सामीर पुं.** (तत्.) समीर, पवन।

**सामीर्य वि.** (तत्.) समीर संबंधी।

**सामुदायिक वि.** (तत्.) 1. समुदाय संबंधी, सामूहिक 2. जन्म के समय चंद्रमा जिस नक्षत्र में हो उससे अठारहवाँ नक्षत्र।

**सामुदायिक केंद्र पुं.** (तत्.) समाज-सदन, समाज-भवन सामाजिक केंद्र, वह भवन या स्थान जहाँ पास-पड़ोस अथवा एक ही व्यवसाय के या

समान स्तर के व्यक्ति मनोरंजन के लिए, विवाहादि उत्सवों के लिए या दूसरे व्यक्तियों से संपर्क स्थापित करने के लिए एकत्र होते हैं।

**सामुदायिक संगठन पुं.** (तत्.) 1. समुदाय के प्रमुख समूहों के बीच आपसी संबंधों की व्यवस्था।

**सामुद्रा वि.** (तत्.) 1. समुद्र संबंधी, समुद्र का 2. समुद्र में या समुद्र से उत्पन्न पुं. 1. नाविक 2. सामुद्रिक व्यापार करने वाला 3. समुद्र फेन 4. शरीर के चिह्न, सामुद्रिक चिह्न 5. नारियल 6. एक विशेष समय की वर्षा का जल।

**सामुद्रिक वि.** (तत्.) 1. समुद्र संबंधी, समुद्री 2. समुद्र से उत्पन्न या समुद्र में उत्पन्न 3. शरीर के चिह्नों से संबंधित पुं. सामुदायिक चिह्नों के शुभ-अशुभ फलों को जानने की विद्या, सामुद्रिक विद्या का ज्ञाता।

**सामुह्यं क्रि.वि.** (तद्.) समक्ष, सामने।

**सामुहिक वि.** (तत्.) 1. समूह से संबंध रखने वाला, समूह संबंधी 2. पंक्ति बद्ध 3. समूह द्वारा किया जाने वाला।

**सामूहे अव्य.** (तद्.) सामने।

**सामूहिक वि.** (तत्.) दे. सामुहिक।

**सामृद्धय पुं.** (तत्.) अभ्युदय, उन्नति, वैभव, समृद्धि।

**सामोद वि.** (तत्.) आनंदयुक्त, प्रसन्न, सुगंधित अव्य. आमोदपूर्वक, आनंदपूर्वक, हर्षपूर्वक।

**सामोद्भव पुं.** (तत्.) साम से उत्पन्न, हाथी।

**सामोपनिषद स्त्री.** (तत्.) एक उपनिषद।

**साम्नी स्त्री.** (तत्.) 1. छंद का एक भेद 2. पशुओं को बाँधने की रस्सी।

**साम्मत्य पुं.** (तत्.) सहमति, सम्मत होने का भाव।

**साम्मुख्य पुं.** (तत्.) 1. उपस्थिति, विद्यमानता 2. अनुग्रह, कृपा 3. देखभाल।